Presented by @sdch_club

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkD8puJ1QKrw

महाबली शाका और नकली भगवान

सम्पादक : गुलशन राय
लेखक : आशू
चित्रांकन : रूबी

कोसिमा बीहड़ के शान्ति वन को विसर्जित करने वाली यह एक उपनदी थी जिसके इस ओर खूँखार जानवर थे- पर वह सब विभिन्न कारणों से बीमार थे- महाबली शाका नियमित रूप से उनके उपचार के लिये यहां आता था।

दूसरी ओर बीहड़ के अन्य जानवर थे- यह सब भी बीमार थे- शाका इन सबको बीहड़ में से निकालकर उपचार के लिये लाता था- और स्वस्थ हो जाने पर तापस बीहड़ों में छोड़ देता था।

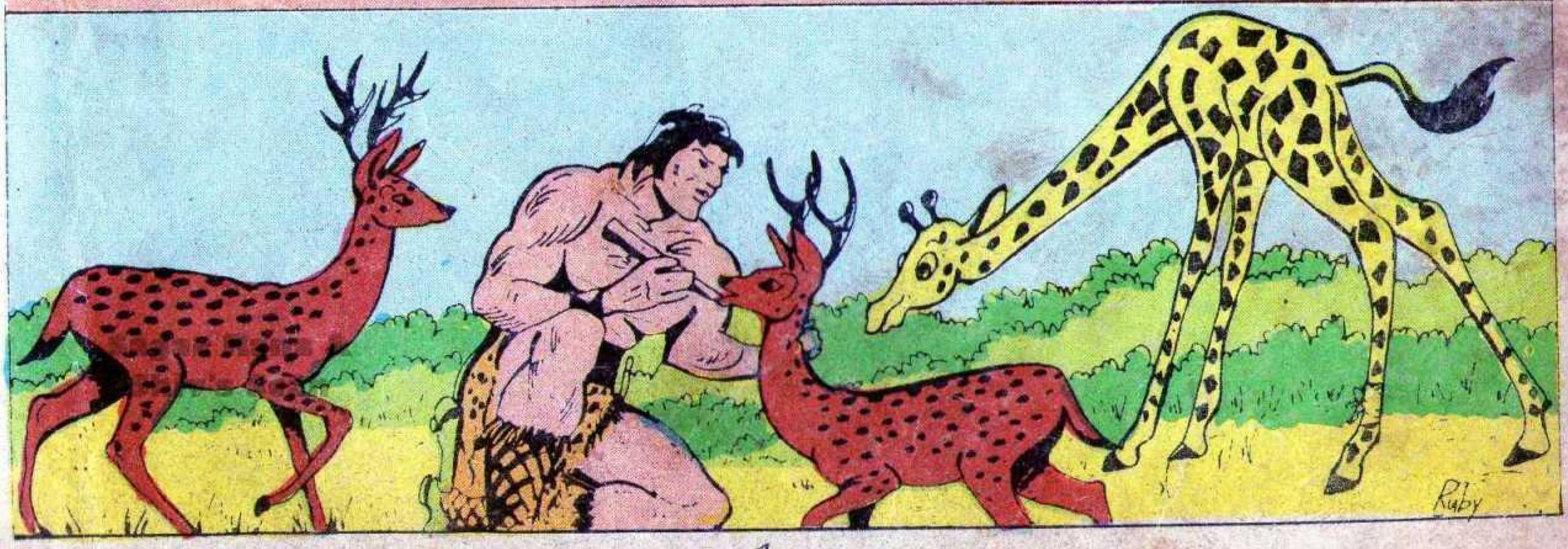

एक दिन नित्य की भांति उसने स्वस्थ हो चुके जानवरों को बीहड़ के खुले वातावरण में छोड़ा। और जब वह नाग गुफा की ओर लौट रहा था उसने खुशी से नाचते-झूमते आदिवासियों को आते देखा।

कितने खुश हैं यह लोग... लगता है आज यहां से इनकी बहुत बिक्री हुई है। जरूर सारे खिलौने अच्छी कीमत पर बिक गये होंगे।

देवता पुत्र... आज हम बहुत खुश है।

महाबली शाका.. हमारा लुटा हुआ धन वापस मिल गया।

नाग पुत्र... सचमुच भगवान श्री आदि-नाथ चमत्कारी है।

?!

मैं समझा नहीं... किसने तुम्हारा धन लूटा और कौन भगवान श्री आदिनाथ है।

उसकी महानता हमने स्वीकार कर ली-।

आज शहर में जाते ही हमारे सारे खिलौने बिक गये थे.... हम खुश थे- हमारे बटुए... भरे हुए थें।

शहर वाले मानों आज जेबों में पैसे भर कर हमारी ही प्रतीक्षा कर रहे थे- हम बाजार में पहुंचे और ग्राहकों की भीड़ लग गई- मुंह मांगी कीमत दे-देकर वह खिलौने खरीदने लगे-।

यह बीस रुपये का है-!

यह लो-!

यह लो बीस रुपये।

एक मुझे-

मुझे भी...

और फिर हम खुशी मनाते वापस लौट रहे थे... पर हमें नहीं पता था कि कोई मुसीबत आने वाली है...।

अगली बार हम और ज्यादा खिलौने लायेंगे-।

हमारी चीजों की मांग शहर में बढ़ने लगी है... अच्छे लाभ में बिकते हैं हमारे खिलौने-।

आज तो जश्न मनायेंगे... सरदार हमें शाबाशी देगा...।

मुसीबत आई शहरी लुटेरों के रूप में—

घेर लो इन्हें...!

अरे...!

क्या मतलब-?

गड़बड़ है!?

!?

अपने-अपने बटुए-इस बैग में डाल दो-!

जल्दी करो- वरना...

धाँय

!?!?!?!

य- यह हमारी मेहनत का पैसा है।

सोमो चुप रहो... इनके पास खतरनाक हथियार हैं।

क्या तुमने सुना नहीं... अपने बटुए... इस बैग में... जल्दी करे-।

और हम सबके गाढ़े पसीने की कमाई उस बैग में समाने लगी-।

भाग जाओ काले सूअरो... हा- हा- हा-।

!? !? !?

लुटेरों के जाते ही भीड़ एकत्रित हो गई-।

हमें पता है... तुम लोगों की कमाई बहुत मेहनत की होती है।

पुलिस क्या करेगी... पुलिस तो इन बदमाशों का ही साथ देगी।

हम पुलिस से मदद मांगेंगे-।

तब फिर कौन पकड़ेगा इन बदमाशों को-?

कौन सजा देगा उन्हें-?

कौन दिलायेगा हमें... हमारा पैसा ?

एक आदमी ने उन्हें समझाया-।

सच्चे दिल से... सच्चे मन से... सच्ची श्रद्धा से भगवान श्री आदिनाथ के पास जाओ... वह मदद करेंगे- वह इन्कार कर दें तो पुलिस की मदद लेना...।

पर भगवान श्री आदिनाथ मिलेंगे कहां ?

भगवान हर जगह हैं... कण-कण में है... हम सबके हृदय में है... उसे मन की आंखों से देखो... दिख जायेगा... मैं तो रास्ता बता सकता हूं... चलो मेरे साथ-।

ठीक है चलो... भगवान श्री आदिनाथ अगर हमें हमारा पैसा वापस दिला देंगे - तो ठीक... वरना पुलिस से मदद मांगेंगे...।

अगर किसी ने भी मदद न की. तो नाग पुत्र महाबली शाका को बतायेंगे... वह हमेशा हमारी मदद करता है... वह निश्चय ही लुटेरों को ढूंढकर उन्हें दण्ड देगा-।

??? !!!

देखो... वह है भगवान का मन्दिर-।

द्वार पर...।

कैसे आगमन हुआ भक्तों...?

हमें मदद चाहिये-।

लुटेरों ने हमारा पैसा छीन लिया...।

लुटेरे-! भगवान के राज में लुटेरों का आंतक...!

भगवान, दरबार में विराजमान हैं...जाओ और चुपचाप बैठ जाओ... भगवान स्वयं तुम्हें पुकारेंगे।

भगवान का दरबार

बैठ जाओ...वह स्वयं तुम्हें देख लेंगे– उन्हें पता है... कौन कष्ट में है ... और कौन सुखी है...।

!?

अन्दर एक काला आदिवासी जो स्वयं को ईश्वर का अवतार बताता था, उपदेश दे रहा था।

सब धर्मों के लोग... मेरे बच्चे हैं- मेरे लिए सब बराबर हैं... हिन्दू मुझे भगवान कहते हैं... मुसलमान अल्लाह कहते हैं, ईसाई... गॉड कहते है... मैं सबका भगवान हूं... कोई कुछ भी कहे.. कितने ही नाम रखे मेरे... पर मैं एक हूं...

इसलिये... रमजान अली उठो... संकोच मत करो... मुसलमान भी तो मेरे ही बनाये हुए प्राणी हैं- सबको मैंने ही बनाया है- किसी ने तुम्हारे बच्चे को चुरा लिया है- और उस चोर को धन चाहिये... यही बात है न...।

अ-हां मेरे परवर दिगार... यही बात है- मेरे बच्चे का अपहरण हो गया... बदमाश उसे मुक्त करने की कीमत बीस हजार रुपये मांगते हैं... मेरे पास इतना पैसा नहीं है... मैं क्या करूं... मेरे मालिक-!

शान्ति रख...

... तेरा पुत्र सुरक्षित है... तू यहीं बैठ... तुझे यहीं खुशी का समाचार मिल जायेगा...।

और तुम सब पीछे क्यों बैठे हो... कोसिमा के बीहड़ों के वाशिन्दो... वहां तुम्हें मैंने ही तो बसाया है... तुम्हारे शरीर पर यह काला रंग मैंने अपने हाथों से मला है... तुम्हें मेहनत करना... बीहड़ों में रहना सब मैंने सिखाया है... पर आज तुम बीहड़ों की सीमा लांघ कर शहर में चले आये... तुम्हें उसी का दण्ड मिला है...।

?!?!?!?!

पर अब हमने तुम पर से शहर मे आने की रोक हटा ली है... जिन बदमाशों ने तुम्हारा धन लूटा है... उन्हें भी कष्ट भोगना था...इसलिये ऐसा हुआ...पर अब जाओ... बीहड़ की सीमा पर तुम्हें तुम्हारा धन मिल जायेगा-।

सच ! धन मिल जायेगा-!!

संदेह कैसा...? भगवान की आवाज पर संदेह करना भी तो अपराध है...जाओ... अब देर न करो...।

अगर सचमुच हमें धन मिल गया तो-?

तो हम मान लेंगे वह भगवान है।

फिर जैसे ही वे सब सीमा पर वापिस पहुँचे।

रूको... अरे रूको भाईयो...

हैं !

अरे-!

सच !

यह तो वही लुटेरे है-।

हम... हम तुम्हारा धन लौटाने आये हैं।

तुम्हें लूटकर हम कुछ ही दूर गये थे कि हमारी कार रूक गई... किसी अदृश्य शक्ति ने हमें कार से नीचे धकेल दिया और मारने-पीटने लगा... पर वह हमें नजर नहीं आया...
" ऐसा लग रहा था जैसे वह हवा के रूप में है और उसके दर्जनों हाथ हैं। "
धड़ाक
ढिशू
ढाक
" साथ ही एक रोबीली आवाज सुनाई दी- "
मैं भगवान श्री आदिनाथ हूं... बीहड़ की सीमा पर उन लोगों का धन लौटा दो जिनसे तुमने धन लूटा है।
हमें क्षमा कर दो... अब हम कभी किसी को नहीं लूटेंगे।
!? !? !?
इसी बीच तथाकथित भगवान के दरबार में—
अब्बा...। मैं आ गया अब्बा...
लो रमजान आ गया-तुम्हारा पुत्र-!
?!
पता नहीं अब्बा... बदमाश अचानक ही रोने-पीटने लगे-जैसे उन्हें कोई मार-पीट रहा हो... फिर एक आवाज गूंजी—
कैसे छूटे बेटा-।

मैं भगवान श्री आदिनाथ हूं - इस बच्चे को जहां से लाये हो... छोड़ आओ...

मैं तो मुरीद हो गया... मेरे परवर दिगार... ।

जाओ मेरे बच्चे... खुश रहो... ।

अब बताओ देवता पुत्र... है न वह सचमुच भगवान ।

सारा शहर उसका आदर करता है।

शहर के लोग उसकी पूजा करते है।

उसके नाम के मंदिर बनने लगे हैं।

तो फिर मैं भी मिलूंगा उस भगवान से... ।

मुझे कुछ गड़बड़ लगती है।

शाका नाग गुफा में पहुंचा... ।

नाग पुत्र... यह पत्र आया है।

पत्र ! किसका हो सकता है ?

स्वतन्त्र द्वीप... नारको के राष्ट्रपति का पत्र-!

महाबली शाका,
नमस्ते,
मैं यह पत्र द्वीप के आंतक-वादियों की कैद में लिख रहा हूं- नारको की जनता संकट में है... मदद करो-।
तुम्हारा मित्र
राष्ट्रपति
सुम्बावी

और इस प्रकार शाका को तुरन्त ही नारको द्वीप जाना पड़ा।

वहां उसने बड़ी तेजी से कार्यवाही की...

शाका!

फिर भी स्थिति नियन्त्रण में आने तक उसे नारको द्वीप में रूकना पड़ा।

मित्र... मुझे विश्वास था कि तुम आओगे-।

पर मुझे शीघ्र ही लौटना है।

पन्द्रह दिन बाद उसे छुटकारा मिला।

इसबीच- भगवान श्री आदिनाथ का प्रभाव... बीहड़ों में भी होने लगा था।

सुनो... मैं भगवान श्री आदिनाथ के पास गया था... मैंने धन मांगा- उसने कहा- सुबह पूर्व में चौथी नाग शिला के उत्तर में दस कदम की दूरी पर खुदाई करना...

सच...!

अगली सुबह उसने निश्चित स्थान पर खुदाई करी...।

अहा... नोटों से लबालब भरा बैग... अब में शहर में रह सकूंगा...

हम धनवान हो गये-।

ऐसे थे भगवान श्री आदिनाथ-। धीरे-धीरे उनका यश फैल रहा था- गरीब और धनवान सब उस पर अपार श्रद्धा रखने लगे थे-। आम जनता भी हैरान थी कि शहर में अब अपराधों की संख्या घट रही है- अपराधी पुलिस के सामने आत्म-समर्पण कर रहे हैं...।

भगवान श्री आदिनाथ की-।

जय!

लोग देखते थे- कि बड़े-बड़े सेठ-साहूकार उसे भेंट देते हैं... कहते हैं गुप्त दान है।

भगवान... तेरे चरणों में यह तुच्छ भेंट... गुप्तदान... मैं...

...नाम नहीं चाहता-।

सदा खुश रहो...

बड़े-बड़े सरकारी अफसर आते-।

आज्ञा दो भगवान-।

कर्म किये जाओ... सदा खुश रहोगे...।

महाबली शाका बीहड़ में वापस लौटा तो उसने एक विचित्र नज़ारा देखा...।

है! नूमों शहरी लिबास में... अपनी पत्नी और बच्चों के साथ... कहां जा रहा है- शहर...!

हलो... देवता पुत्र-!

मुझे देखकर आश्चर्य में पड़ गये न... महाबली शाका...। सबकी यही हालत है... मैं तो अब शहर जा रहा हूं... भगवान श्री आदिनाथ ने खूब पैसा दिया है मुझे-।

!?

नूमों... वापस जाओ... वरना शहर में जाकर तुम्हारी हालत ऐसी हो जायेगी... जैसे चिड़िया-घर के सीखचों में कैद शेर की होती है।

और बीहड़ के सैकड़ों वर्ष के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि नाग पुत्र की आज्ञा का उलंघन हुआ-।

नहीं देवता पुत्र... मैं अब शहर में ही रहूंगा... भगवान श्री आदिनाथ हर आदमी की मदद करते हैं... मैं धनवान बनूंगा...

अ... ह...

बचाओ...

Sagar Rana & Shiv's Scan

लेकिन जैसे ही वह आगे बढ़ा... बीहड़ों का पवित्र नाग प्रकट हुआ...

व-वापस चलो... पवित्र नाग ने रास्ता रोक लिया है... इसका मतलब है... आगे खतरा है-।
ख... ख... खतरा...! अ... अ... ठीक..
और नूमो वापस लौट गया।
नाग दोस्त... यह एक ऐसा समय आया है जब बीहड़ के इन भोले-भाले आदिवासियों को...
...एक सबक सीखना होगा-यह बहुत जल्दी ही मानवीय चमत्कारों से प्रभावित हो जाते हैं।
शाका निकट के एक गांव में पहुंचा...।
देवता पुत्र... भगवान पृथ्वी पर आ गये-।
भगवान!?
गांव के लोगों ने भगवान श्री आदिनाथ से जो कुछ मांगा वही मिला... धन-दौलत... सोना... हीरे... जवाहरात... गहने... शहरी मकान... कई बीमार अच्छे हो गये... एक कोढ़ी भिखारी पर...
...भगवान ने हाथ फेरा... वह पल भर में भला-चंगा हो गया-।
मेरे बेटे को लकवा मार गया था- भगवान ने हाथ रखा उस पर और वह ठीक हो गया...। भगवान चमत्कारी है- वह बूढ़ों को जवान बना सकता है... मरते को जिला सकता है- गरीब को अमीर बना सकता है...।

महाबली को बीहड़ के शान्त वातावरण में विचित्र-सी हलचल महसूस होने लगी - वह समझ चुका था कि एक भयानक खतरा शहरी सीमा लांघकर बीहड़ में प्रवेश कर रहा है-।

भगवान श्री आदिनाथ से साक्षात्कार का समय आ गया ।

मुखिया... नगाड़ा सन्देश प्रसारित करो... कोई बीहड़ से बाहर नहीं जायेगा और न ही कोई बाहरी व्यक्ति अन्दर आयेगा ।

और नगाड़ों द्वारा सन्देश गूंजने लगा ।

नाग पुत्र... महाबली शाका... का आदेश...

वह चला गया... पर उसका आदेश तो प्रसारित करना ही होगा... भगवान चाहें कितना ही चमत्कारी क्यों न हो... पर मैं नाग पुत्र की आज्ञा का उलंघन नहीं कर सकता-।

नाग दोस्त... भगवान से साक्षात्कार करने का अवसर मिला है... मैं इसे चूकना नहीं चाहता - शायद मेरा भाग्य भी बदल जाये।

कोई... बीहड़ में न आये... कोई बीहड़ से बाहर न जाये...

दम दम दम

फिर शहर में... महाबली शाका अपने शहरी लिबास में था ।
मुझे पहले अपने पुलिस कमिश्नर दोस्त... बलदेव सिंह से मिलना चाहिये...!
बलदेव साहब- क्या सचमुच भगवान श्री आदिनाथ से मिलकर लाभ होगा... सुना है वह चुटकियों में धनवान बना देते है...!
क्या-! धनवान-?!
अर्र र... नहीं- मेरा मतलब है- हां... धनवान बना देते है... जय हो भगवान श्री आदिनाथ... कृपा करो अपने भक्त पर...।
!!!
महाबली-तुम्हें तो भगवान की शरण में अवश्य जाना चाहिये... वह सबकी इच्छा पूरी करते है-!
गड़बड़-! यहां भी असर हो चुका...!?
चला गया... उसने कोई सवाल नहीं किया... यह भी नहीं पूछा कि वास्तविकता क्या है?... शायद... शायद वह कुछ भांप गया हो-!
सड़क पर...।
मामला हद से ज्यादा बिगड़ चुका है... कमिश्नर जैसा कट्टर आदमी भी भगवान को मानने लगा... पर... वह घबरा रहा था... क्यों घबराहट थी उसे... डर का कोई कारण-?

ब्लैक मेलिंग... या अन्य कोई दबाव ? और लगता है, कुछ आंखें मेरा पीछा कर रही हैं।
हिलना मत...
हम तुम्हारा भार कम करना चाहते हैं... पर्स है न जेब में...
सच ही सोच रहा था मैं ।
और यह बात सिर्फ वही लोग जानते हैं- जिनका वास्ता शाका से पड़ चुका है- कि शाका विद्युत गति से आक्रमण करता है।
तुमने उसे मारा...
क्या गलती हो गई मुझसे...?
लो अब शायद हम शान्तिपूर्ण वातावरण में बात कर सकेंगे-!
आश्चर्य है-! मैंने सुना था भगवान श्री आदिनाथ ने अपराध समाप्त कर दिये... पर तुम तो... अरे ! नहीं... SS... !

और उस समय सिवाय स्वयं को बचाने के कुछ नहीं किया जा सकता था।

मुझे अफसोस है कि...

BMY40

शाका बहुत तेजी से भागा।

अगर यह हत्यारा वाहन हाथ से निकल गया तो शायद भगवान श्री आदिनाथ के चमत्कारों का रहस्य जानने में कुछ समय लग जायेगा।

आऽऽऽई

उसने बहुत तेजी से जम्प लगाई और वाहन की छत पर जा पहुंचा।

अब हत्यारे ड्राईवर तक पहुंचना आसान होगा।

हत्यारा ड्राईवर रिसीवर हाथ में लिये किसी को सूचित कर रहा था।

काम हो गया - पर अजनबी बच गया-।

उससे निबटने के लिये अभी और भी अवसर मिलेंगे।

तभी- किसी भूत की तरह शाका अगली सीट पर आ बैठा।

अ...व... व... वह... आ... नहीं

ट्रक, शान्ति पूर्वक चलाते रहो - और मेरे मामूली सवालों का जवाब देते रहो -!

मामूली सवाल -!?

तुमने उन दो व्यक्तियों को उस समय कुचला जब वह मुंह खोलने पर राजी हो गये थे - ऐसा क्यों किया और किसके आदेश पर किया -।

!?

मेरा दिल घबरा रहा है - यह गोली मेरे हृदय की धड़कनों को नियन्त्रित करेंगी।

नहीं ! यह गोली तुम नहीं खाओगे दोस्त... मेरा हाथ तुम्हारा नब्ज पर है - मैं तुम्हें स्वस्थ महसूस कर रहा हूं -।

म... मुझे खाने दो गोली... उफ़ - छोड़ो मेरा हाथ -!

विष

यह विष है!

इसका मतलब तुम इतने अधिक दबाव में हो कि पकड़े जाने से बेहतर मर जाना उचित समझते हो -! सुनो दोस्त, मैं तुम्हारे जीवन की गारन्टी लूंगा... बताओ किसके आदेश पर हत्यारे बने हो -।

भ... भग... भगवान ... व... वह... ।

भयभीत ड्राईवर ने महाबली शाका को कुछ महत्त्वपूर्ण सवालों का जवाब देकर... उसे चकित कर दिया...। शाका सोचने लगा।
इसका नाम कुलदीप है। यह अधिक कुछ नहीं जानता-यह एक सिपाही मात्र है-जिसे सिर्फ आदेश मिलते हैं-जिसे 'क्यों' पूछने का अधिकार नहीं होता-!
भय से काँपते ड्राईवर ने कहा-
तुमने कहा था कि मेरे जीवन की गारन्टी... लोगे?
मुझे याद है... मैं वही कर रहा हूं-।
फिर शाका ने जंगल के गश्ती दल से सम्बंध स्थापित किया।
हलो... गश्ती दल...!
जनरल का फोन... आदेश-!?
जंगल के गश्ती दल ने ड्राईवर को थाम लिया और बीहड़ों की ओर ले चले-
हमें आदेश मिला है- तुम्हें गुप्त रखा जाये... अर्थात जेल में नहीं... बीहड़ में-।
जंगल गश्ती दल...!!
बीहड़ में-
जनरल के आदेशानुसार हम तुम्हें यहीं तक छोड़ सकते हैं... इससे आगे बीहड़ के बौनों का प्रदेश है। देखें... कौन आता है तुम्हें लेने...।

अचानक-।
तीर में फंसा पत्र...।
मेहमान को छोड़ जाओ- अब यह हमारी सुरक्षा में है।
जनरल का लैटर पैड! उसके हाथ का लिखा आदेश!
और गश्ती दल लौट चला-।
वह मुझे छोड़ क्यों गये? कितना भयानक है जंगल-! हिंसक जानवर-।
पर नहीं... खतरा उसके लिये नहीं था उसे कैदी बनाने वाले बौनों ने कहा—
तुम कैदी नहीं- मेहमान हो-।
गांव में —
फल और दूध-।! मैंने सोचा था यह आदमी का गोश्त खिलायेंगे-जो मैं नहीं खा सकूंगा।
ठीक है...जगह बुरी नहीं है- अगर इनके जहरीले तीर मेरे जिस्म से दूर ही रहे तो...

शहर में-।
अब भगवान श्री आदिनाथ से मुलाकात करनी चाहिये- उनके चमत्कार देखे बिना तसल्ली नहीं होगी।
मोटर साईकल सवारों की एक टोली तेजी से आ रही थी।
वही है-।
लम्बा ओवरकोट!
रहस्यमय!
और वह टोली महाबली शाका के पास आकर रूक गई।
आपको कहां जाना है साहब-?
हम कुछ मदद करें-?
शहर के कुछ आवारा लड़के-।
लड़को अपने घर जाओ... तुम्हारी मां, प्रतीक्षा कर रही होगी। इस प्रकार रास्ता रोकने में अक्सर चोट लग जाती है।
सही कह रहे हो... चोट लग जाती है... पर हमें नहीं... चोट उसे लगती है जो सामने होता है।
तुम्हें एक सबक सीखने की जरूरत है जो तुम्हें विद्यालय में सीखना चाहिये था... सड़क पर यह कुछ घातक तरीके से सीखा जाता है।
!
!

आऽऽईई
ओफ!
उफ!
लेकिन इतना सबक उनके लिये काफी नहीं था।
हमें पता था कि तुम एक खतरनाक आदमी हो।
इसका मतलब तुम किसी स्कूल के शरारती लड़के नहीं... भाड़े पर चलने वाले मजदूर हो-।
अब तुम्हारा खात्मा निश्चित है तुम्हे सबक...
ठहरो दोस्त...
शाका के इस्पाती घूँसे बरसने शुरू हुए-।
ढिशूं
यह हादसे बता रहे हैं कि मेरी मौजूदगी शहर वालों को रास नहीं आ रही-।
गायब-।
क... कहां गया वह-?
खबर करनी होगी-। वह बच निकला।

कुछ देर बाद... शाका अभी सड़क पर ही था- मानों शाम की सैर को निकला हो-।

अब क्या हो रहा है!?

घेर लो उसे-।

क्या तुम हमारे साथ चलना पसन्द करोगे?

अगर मेरा जवाब 'नहीं' हो तो-?

तो हम खामोश हो जायेंगे- लेकिन हमारी यह गनें बोल उठेंगी।

तुम कहां ले जाना चाहते हो मुझे-?

तुम यह पूछने की स्थिति में नहीं हो-?

इसकी तलाशी लो-।

एक रिवाल्वर... एक चाकू... और पर्स... काफी माल है इसमें-।

ठीक- अब चलो लम्बे कोट वाले साहब-।

चलिये-।

Sagar Rana & Shiv's Scan

हमें तो बताया गया था-यह बहुत खतरनाक है; पर यह तो बकरी निकला-।
वह गनमैन कितनी बड़ी गलत-फहमी का शिकार हो रहे थे-इसका रहस्य खुलने में कोई ज्यादा समय नहीं था।
बस हम पहुंच गये ।
देखो दोस्त-बुरा मत मानना...यहाँ हम तुम्हारी कब्र बनाने जा रहे है।
कोई आपत्ति-?
जगह तो पसन्द है न-?
ऐसे समय में क्या करना चाहिये-इसे भूलकर-यह सोचूं कि ऐसे समय में इस शहर के लोग क्या करते हैं !
देखो... भगवान श्री आदिनाथ सब देख रहे हैं-वह तुम्हें क्षमा नहीं करेंगे ।
यह भगवान का भक्त है।
भगवान! न...हीं...!
अचानक... ऐसा लगा जैसे वह अदृश्य हाथों से पिट रहे हो-।
आह!
!?
हाय...
बचाओ...

एक आवाज गूंजी ।
छिशुंग!
आह!
भगवान के भक्त को सताना पाप है... तुम सब उसी पाप की सजा भोग रहे हो... भगवान श्री आदिनाथ के भक्त से क्षमा मांग लो ।
आह!
आह
छिशुंग
आऽऽह
हमें क्षमा कर दो ।
?
तुम जा सकते हो-हमें नहीं पता था कि तुम भगवान श्री आदिनाथ के भक्त हो ।
भक्त होने का दावा तो नहीं कर सकता... पर हां भगवान श्री आदिनाथ से मिलना चाहता था ।
यह लो वैगन की चाबी उसे ले जाओ ।
धन्यवाद ।
वह जा रहा है ।
सोच रहा होगा भगवान श्री आदिनाथ
ने बचा लिया ।
अब उसके दिल में श्रद्धा होगी ।
लेकिन कुछ ही देर बाद ... कोसिमा के बीहड़ों में नजर आने वाली आकृति वहां कुछ खोज रही थी ।
यह! इसी की तलाश थी... छिपा हुआ स्पीकर ।

यहां से ध्वनि प्रसारित होती है जो खण्डहरों में छिपे दर्जनों स्पीकरों में से निकलकर... गूंजती है।

!?

और वह अदृश्य हाथ जो उनकी पिटाई करते हैं– वास्तव में वैसा कुछ नहीं है... यह सब नाटक करते हैं।

!?

हिलना मत... जो तुमने देख लिया है-वह तुम न देखते तो फायदे में रहते...शायद तब भगवान श्री आदिनाथ तुम्हें बचा लेते।

परइतना सब देखने के बाद मैं खुद बचाव कर सकने की स्थिति में हूं।

आह

यह भी जानी-पहचानी चीज है... टू-वे-ट्रांसमीटर ! सूचनाओं का आदान-प्रदान करने के लिये। निश्चय ही यह देश भर से स्कत्रित किये गये अपराधियों का संगठन है।

लेकिन अब इन खण्डहरों से कोई सूचना बाहर नहीं जायेगी।

नड़ाक!

तड़ाक!

अरे! यह आवाज कैसी-?

कुछ टूटा है?

पर यहां तो कोई नहीं है।

है नहीं...! पर था जरूर... देखो!

यह टू-वे-ट्रांसमीटर के टुकड़े-!

मैं यहां हूं-!

ओह!

यह कौन है!

इससे नहीं इसकी लाश से पूछेंगे... अ-ह-ह।

गन उठाने की सरुत मनाही है, दोस्तो...!

धांय

धांय!

भगवान श्री आदिनाथ के अदृश्य हाथ क्या अब भी प्रकट होंगे...?

न... नहीं...।

मुझे पता था- तुम्हारा जवाब यही होगा- क्योंकि हकीकत में कोई तुम्हारी पिटाई नहीं करता - तुम सब पहले से ही निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नाटक करते हो और आवाजें चारों ओर छिपे स्पीकरों से निकलती है। भगवान श्री आदिनाथ...
की आवाज भी वही स्पीकर उगलते हैं।
लेकिन अब ऐसा कुछ नहीं होगा - तुम सब कुछ समय एक सुरक्षित स्थान पर गुजारोगे।
सुरक्षित स्थान... जेल... ?
कुछ देर बाद गनमैन अपनी ही वैगन में कैदियों के रूप में यात्रा कर रहे थे।
कोसिमा गश्ती दल के मुख्यालय में उनके रहस्यमय जनरल का फोन पहुंचा।
ओह...ज... जनरल... आप...
कुछ मेहमानों को बौनों के पास पहुंचाना है...।
अब वैगन वहां पहुंचा दूं जहां से गश्ती दल वाले इन्हें बीहड़ के निषिद्ध प्रदेश में पहुंचा देंगे।
कुछ देर बाद... लावारिस वैगन में गश्ती दल वालों को गनमैन मिल गये।
जंगलग्रस्त के

अन्त में वह निषिद्ध प्रदेश के बौनों की सुरक्षा... अथवा कैद में पहुंच गये।

आप हमारे मेहमान है...लेकिन याद रहे भागने की कोशिश करने वाले मेहमान हमारे जहरीलें तीरों की एक मामूली खरोंच से भी यमलोक पहुंच जाते हैं।

उधर शहर में-।

काफी देर हो गई- अगर वह लोग रूकावट न बनते तो अब तक मैं मन्दिर में पहुंच चुका होता।

मन्दिर के प्रवेश द्वार पर-।

मैं भगवान श्री आदिनाथ के दर्शन करना चाहता हूं-।

क्यों... क्या कष्ट है तुम्हें-?

भगवान श्री आदिनाथ की कृपा से मैं एक मुसीबत से बच बचा हूं— कुछ लोगों ने मेरा अपहरण किया और भगवान ने चमत्कारी ढंग से उन्हें दण्ड दिया।

ठीक है-जाओ- उधर है भगवान का दरबार-।

धन्यवाद-।

शाका अन्दर पहुंचा तो हैरत में पड़ गया-

अरे... भगवान का सिंहासन तो खाली पड़ा है- और ये भगवान के भक्त-इनमें से बहुतों को मैं पहचानता हूं-पुलिस के उच्चाधिकारी, संसद सदस्य तथा अन्य सरकारी विभागों के अधिकारी- क्या यह सचमुच भगवान के प्रभाव में है...!?

मुझे रोका तो नहीं गया- पर निगरानी पूरी-पूरी कर रहे है।

जब तक भगवान के दर्शन नहीं होते-तब तक मन्दिर की परिक्रमा कर ली जाये।

वह अन्दर गया।

शौचालय

उस पर नज़र रखना-यह वही है...। कोसिमा के बीहड़ों का रहस्यमय आदमी।

इन्हें चकमा दिया जाये-।

शौचालय के अन्दर—
निकलने के लिये यह रोशनदान ही एक मात्र रास्ता है-और इसमें सरिये लगे हैं।
महाबली शाका ने मामूली सा ही शक्तिप्रदर्शन किया और रोशनदान चौखट सहित बाहर आ गया।
शाका ने बाहर झांका—
ओह... गनमैन ! मन्दिर में गनमैनों का क्या काम?
लेकिन गनमैनों को अपनी गलती का अहसास कुछ देर में हुआ-।
सुनो...।
अ... क... कौन-?
तुम-?
ढिशूंग!
आऽऽह!
ढिशूंग
आह!
कुछ देर बाद- वहां एक पुजारी पहुंचा तो...
अरे ! इन्हें क्या हुआ-? अ- और इनके जबड़ों पर यह नाग चिन्ह-! ...ओह- समझा...!

उधर...।

आखिर भगवान को पा ही लिया मैंने-।

देवदासी...अब तुम जाओ-बाहर अन्य पुजारियों के साथ हमारी प्रतीक्षा करो-।

जो आज्ञा भगवन!

अब बताओ गजानन... क्या बीहड़ के आदिवासी हमें स्वीकार करलेंगे।

अवश्य-भगवन-कई गांव आपके प्रभाव में है-कोई ज्यादा कठिनाई पेश नहीं आयेंगी।...अनेकों आदिवासी आपकी पूजा करने भी लगे हैं।

कुछ कहने की जरूरत नहीं... वह भक्त हैं- भगवान के दर्शनों के लिये तो भक्त सैकड़ों वर्षों की तपस्या करते है...यह सब भी कुछ दिन तपस्या कर लेंगे।

तो फिर आज हम बीहड़ों में जा रहे हैं।

दरबार में क्या कहूं जाकर-।

अरे-! तुम आ पहुंचे महाबली... हम स्वयं ही तुमसे मिलने जा रहे थे।

मैंने सोचा- बीहड़ों में आपको कष्ट होगा- आपसे यहीं मिल लूं।

तभी...।

भगवान श्री आदिनाथ...को प्रणाम-!

Sagar Rana's Scan

यह तो तुमने बहुत ही अच्छा किया महाबली... पर बीहड़ में तुम्हारे अतिरिक्त भी बहुत से भक्त हैं हमारे-।
शाका की सतर्क निगाहों ने गजानन के हाथ में दबी गन को तुरन्त पहचान लिया-उसने एक जोरदार ठोकर जमाई।
पता नहीं क्यों मूर्खों जैसी यह हरकतें मुझे पसन्द नहीं आतीं।
और भगवान जी-आप भी बीहड़ों में नहीं जा रहे हैं-बल्कि आपको कहीं और जाना है...।
कहां जाना है मुझे-यह मैं तुमसे बेहतर जानता हूं भक्त-पर इस समय वहां मैं नहीं तुम जाओगे-।
हां-महाबली शाका-तुम अपना शेष जीवन अब जेल की कालकोठरी में बिताओगे-। यह मेरा आशीर्वाद है... इस आशीर्वाद के बाद तुम खड़े नहीं रह पाओगे-।
भगवान श्री आदिनाथ की अंगूठी के नग में से निकलने वाला प्रकाश-शाका पर बहुत भारी पड़ा।
उफ्...! क्या हो रहा है मुझे... उसकी अंगूठी के प्रकाश ने मानों मेरे जिस्म को सुन्न कर दिया है... मस्तिष्क भी सोने लगा है।

मुझे कुछ ही देर पहले पता चल गया था दुष्ट की...

...तू मेरे दो गनमैनो को बेहोश करके आ रहा है - मैं तैयार था तुझसे निपटने को।... अब कौसिमा के बीहड़ों में मेरा रास्ता रोकने वाला कोई न होगा।

इसे तहखाने में डाल दो - और भूल जाओ कि वहां कोई कैदी पड़ा है - एक महीना बीतने पर खोलना तहखाने का दरवाजा - तबतक यह भूख-प्यास से मर चुका होगा।

और महाबली शाका तहखाने में पहुंच गया।

काफी समय बाद - उसे होश आया।

भगवान के आशीर्वाद से आखिर यहां पहुंच ही गया!

एक गनमैन छोड़ा गया है।

इस बीच - गजानन को होश आ गया।

ऊहं... क्या हो गया था मुझे -?

तुम्हारी मूर्खता थी यह... तुम्हें उसके सामने रिवाल्वर नहीं निकालना चाहिये था -।

तुम्हारे जबड़े पर यह चिन्ह छोड़ गया है वह...! जो अब जीवन भर नहीं मिटेगा - इसे मेकअप से छुपा लो वरना बीहड़ के आदिवासी इस चिन्ह को देखते ही बिदक जायेंगे।

?

कुछ देर बाद -।

भगवन... एक ट्रक में गोला-बारूद, एक बख्तर बन्द गाड़ी में आपकी रसायन शाला तथा उपकरण है। दो बसों में आपके गनमैन है - वह सब पुजारियों के वेष में है -।

ठीक है।

बाकी सब आवश्यक सामान भी साथ ले लिया है।

शाबाश - अब चलो -।

और भगवान श्री आदिनाथ का काफिला कोसिमा के बीहड़ों की ओर चल पड़ा।

बीहड़ों में समाचार फैल चुका था कि भगवान श्री आदिनाथ आ रहे हैं- अतः बीहड़ के तीन गांवों का समूह उनके स्वागत में खड़ा था।

भगवान श्री आदिनाथ की...

जय

पास के ही एक गांव में भगवान ने सबसे पहले मुखियाओं का सम्मेलन बुलाया।

बींहड़ों में... जो अब तक होता रहा... वह अब नहीं होगा- तुम्हें भी बाहरी दुनिया के लोगों की तरह ठाट- बाट से रहने का अधिकार है... महाबली शाका... जिसे तुम नाग पुत्र कहते थे- वह भाग गया है-।

असम्भव !

यह नहीं हो सकता !

कहीं यह धोखा तो नहीं-!

हमें प्रमाण चाहिये भगवन कि नाग पुत्र अब बीहड़ में कभी नहीं आयेगा...

नगाड़ा सन्देश प्रसारित करो... प्रमाण स्वयं मिल जायेगा।

बीहड़ में नगाड़ों का शोर एक सिरे से दूसरे सिरे तक गूंजने लगा।

देवता पुत्र... महाबली शाका... अपनी उपस्थिति का प्रमाण दो...

Saga... Comics Scan

कुछ ही समयबाद... स्वयं कोसिमा के बीहड़ों का पवित्र नाग आ पहुंचा-।

नाग देवता-!

नाग!

यह नाग... उन असंख्य कीड़े-मकौड़ों में से एक है... जो हमने इस सृष्टि का सृजन करते समय बनाये थे... यह हमारा भक्त है-देखो-!

भगवान श्री आदिनाथ की अंगूठी का प्रकाश...नाग पर पड़ा-।

वह सो गया... वह वास्तव में यहां हमारा आशीर्वाद प्राप्त करने आया था-

आप भगवान है।

सच!

बिल्कुल सच-!

तुम अपने-अपने गांवों के मुखिया हो- अपने लोगों के कष्ट तुम हमें बताओ- हम उन्हें कष्टों से मुक्ति दिलायेंगे।

हम गरीब हैं।

हम ठाट-बाट से रहना चाहते है।

मोटर-कारें चाहते हैं।

Sagar Rana
Shiv's Scan

तुम सब धनवान बन जाओगे... जाओ बीहड़ों में फैल जाओ और जहां-जहां पीले ध्वज नजर आयें वहां खुदाई आरम्भ कर दो - मेरे पुजारी तुम्हें बतायेंगे कि खुदाई कैसे करनी है-!

बाद में-।

इसका क्या करें मालिक-! मार दें!

नहीं इसे इसमें ही रहने दो... भगवान किसी को मारते नही हैं- समझे कुछ!

तुम बताओ गजानन... उन सब स्थानों पर पीले ध्वज लग गये न-जहां सोने की खाने हैं-?

काम पूरा हो गया भगवन।

आपके बनाये नक्शे के अनुसार-यहां चार कोयला खाने भी हैं- जिनमें हीरे मिलने की शत-प्रतिशत आशा है।

पैट्रोल तथा अन्य खनिजों के भी भण्डार है यहां... तभी तो आये है हम यहां-

हमारे भू-सर्वेक्षणों की जानकारी गलत नहीं हो सकती है- और सुनो नाग गुफा के बारे में क्या तैयारी है?

आज रात... हम नाग गुफा में प्रवेश कर जायेंगे-।

बीहड़ों में...। भगवान श्री आदिनाथ के आदेश पर उन सब स्थानों पर खुदाई आरम्भ हो चुकी थी-जहां पीले ध्वज थे।

भगवान श्री आदिनाथ की...

उधर मन्दिर में...
सुनो... दोस्त... क्या तुम मेरी यह सोने की अंगूठी लेकर मुझे एक गिलास पानी दे सकते हो-।
सोने की अंगूठी।
ठीक है... अंगूठी के बदले में एक गिलास पानी मिल जायेगा।
पर अंगूठी लेने के बाद भी पानी देगा कौन ?
अचानक...।
चाबी दो-।
अ-हम तो चाबी-।
अब तुम सो जाओ-।
अब अपने हथियार हासिल करके यहां के लोगों को मन्दिर की इस जेल में बन्द करना है...।
भक्तों के अतिरिक्त वहां कुल दस पुजारी और पांच गनमैन थे - जिन्हें महाबली शाका ने मन्दिर के कारावास में पहुंचा दिया।
यह आखिरी शिकार था-।

फिर वह शहरी लिबास में मन्दिर से निकला।
वह बीहड़ों में बदमाशी दिखा रहा होगा।
इस बीच-बीहड़ में-
भगवान... आदमी तैयार हैं-एक घण्टे बाद महाबली शाका की नाग गुफा पर हमारा कब्जा होगा।
शाबाश!
पर दूसरी झोपड़ी में जहां शीशे के जार में कोसिमा के बीहड़ों का पवित्र देवता... कैद था-उसे होश आ चुका था...।
ठक!
ठक!
छनाक!
और वह नाग गुफा की ओर चल दिया-मानों उसे भगवान श्री आदिनाथ की कोई फिक्र न हो।
और जब भगवान श्री आदिनाथ के सशस्त्र पुजारी नाग गुफा पर पहुंचे थे-नाग प्रहरी के रूप में मौजूद था।
अरे! यह यहां कैसे आ गया?
मूर्ख यह दूसरा नाग है।
दस्ती बम फैकों-दरवाजे के साथ यह भी उड़ जायेगा-।
अचानक नाग हवा में उछला।

Sagar Rana & Shiv's Scan

गुफा के कंट्रोल रूम में बैठ कर शाका ने बीहड़ में कुछ खास-खास स्थानों पर छिपे कैमरे चालू किये–
इस गांव में ठहरा है भगवान...
नाग दोस्त... जब मैं इस स्क्रीन पर नजर आऊं तो तुम इस स्विच को दस बार दबा देना-।
शाका तूफानी वेग से उस गांव की ओर चल पड़ा– जिसमें भगवान श्री आदिनाथ ठहरे हुए थे।
गुफा के कन्ट्रोल रूम में नाग ने शाका को उस गांव के फाटक पर देखा तो वह स्विच दबा दिया- जिसके बारे में शाका ने उसे समझाया था।
खट!
नाग द्वारा दबाये गये स्विच का असर उस गांव में हुआ- जमीन में छुपे धूमगोले* फटने लगे।
और वह पूरा गांव धुवें में छिप गया... अब वहां रहने वालों की दहशत से भरी चीखें सुनी जा सकती थीं- पर उन्हें देखा नहीं जा सकता था।
धड़ाम!
और अभी धुवां हल्का भी नहीं पड़ा था कि महाबली शाका धुवें में से बाहर आता नजर आया- पर वह अकेला नहीं था।
गांव में जब धुवां छटा।
भगवान गायब-!?
कहां गये?

उधर नाग गुफा में -।

भगवान श्री आदि नाथ... अब तुम्हारे पास वह अंगूठी नहीं है - जिसमें से सामने वाले व्यक्ति को बेहोश कर देने वाली किरणें निकलती है - और अब वह सुनो जो मैं तुम्हारे बारे में जानता हूं।

??!!

तुम वैज्ञानिक भी हो - और हत्यारे भी हो - भगवान बनकर तुम लोगों को लूट रहे थे। अपना प्रभाव जमाने के लिये जो पैसा तुम गुप्त रूप से अपने भक्तों तक पहुंचाते थे - वह पैसा तुम धनवानों को डरा धमका कर या उन्हें ब्लैक-मेल करके हासिल करते थे - सरकारी कर्मचारियों को भी तुमने इसी प्रकार काबू में किया हुआ था। और अब...

...बीहड़ में तुम इसलिये आये हो कि अजनबी धरती के गर्भ में छिपी बहुमूल्य धातुओं तथा अन्य खनिजों को हासिल कर सको - बीहड़ के आदिवासी तुम्हें मुफ्त के मजदूरों के रूप में मिल गये थे - सचमुच तुम्हारी योजना शानदार थी - तुमने कमाल की चालाकी से अपने आपको भगवान बना लिया था।

देश में तुम्हारे पचासियों मन्दिर धनवानों के चन्दे से बन रहे है - देश के कई बड़े नेता तुम्हारी मुट्ठी में है - पुलिस कमिश्नर का बेटा तुम्हारी कैद में है - इसलिये शहर की पुलिस तुम्हारे खिलाफ नहीं है।... तुम्हारे आदमी विभाग में हैं - जिन्होंने पूरे विभाग को कन्ट्रोल कर रखा है। जनता तुम्हारे वैज्ञानिक चमत्कारों...

...से प्रभावित है - भक्त तुमसे जो भी चीज मांगते हैं - तुम वह चीज अपने आदमियों के द्वारा गुप्त रूप से पहुंचा देते हो - ...

...खुद ही लोगों का अपहरण करते हो और खुद ही छुड़ा लेते हो -। बीहड़ के लोगों को तुम्हारे आदमियों ने लूटा - इस प्रकार उन पर तुम्हारा रौब चल गया -।... इतनी सब बातें मैं जान चुका हूं - अब तुम वह सब बताओ जो मैं नहीं जानता। वरना... यह सांप तुम्हें डस लेगा।

कई देशों के पूंजीपतियों ने मुझे भगवान बनाया है - वह मुझे पैसा देते हैं - अगर सारी दुनिया मेरी भक्त बन जाती तो - दुनिया के वह सब पूंजीपति सबके स्वामी बन जाते - इस प्रकार पूरी धरती पर मेरे माध्यम से उन पूंजीपतियों का शासन हो जाता।

Sagar Rana & Shiv's Scan

तुम्हारी प्रत्येक बात मैंने टेप कर ली है - जो मैं शहर भेज दूंगा - जहां तुम्हारा भरपूर प्रचार होगा - लोग तुम्हारी असलियत जान जायेंगे - बीहड़ों में तुम खुद अपने मुंह से अपनी वास्तविकता बताओगे।

उसी दिन जब बीहड़ में भगवान को ढूंढा जा रहा था- भगवान अपना अपराध कबूल करते... घर-घर जा रहे थे- भाषण दे रहे थे।
मैं भगवान नहीं हूं...
मैं ढोंगी हूं- मुझे माफ कर दो।
शहर में-।
भगवान श्री आदिनाथ का रहस्य खुला-।
लूट का माल बरामद
चरस, स्मैक, हीरोइन,
भगवान श्री आदिनाथ-वास्तव में एक कुख्यात हत्यारा और ब्लैक मेलर है- उसका असली नाम चरसूदास है। उसके सहयोगी पूंजीपतियों के खिलाफ ठोस सबूत मिले... उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है... हजारों आदमी गिरफ्तार जो नकली भगवान के पुजारी तथा रक्षक थे।
diamond
और फिर धीरे-धीरे शहर और बीहड़ में से नकली भगवान का प्रभाव समाप्त होने लगा - आदिवासी बीहड़ के नकली भगवान को भूल कर अब फिर से अपने असली मददगार को भगवान के रूप में याद करने लगे।
बीहड़ में-।
देवता पुत्र- तुमने हमारी आंखें खोल दीं- हम धोखा खा गये थे- हमें क्षमा कर दो-।
किस्मत अच्छी थी बीहड़ के लोगों, जो नकली भगवान का भेद खुल गया-। अब सब बदमाश जेलों में हैं... जहां कुछ को फांसी होगी- कुछ को कठोर कारावास मिलेगा।

लेकिन नागपुत्र- उस दुष्ट ने यह ढोंग रचा ही क्यों था... क्या मिला उसे-?

लूटने के ढंग का यह एक नया तरीका खोजा था उसने- कुछ धनवान लोग उसके माध्यम से इस देश की जनता पर शासन करना चाहते थे-। भगवान श्री आदिनाथ का मन्दिर वास्तव में अपराधियों का शरणस्थल था... यह अपराधियों का बीसवीं सदी का सबसे बड़ा संगठन था- और अब तुम सब अपने भविष्य के प्रति सावधान रहना...

...अब किसी के चमत्कारों से प्रभावित होकर उसे भगवान मानने की भूल मत कर बैठना-।

कुछ दिन शाका ने बीहड़ में ही अपने पुलिस कमिश्नर मित्र से मुलाकात की-

शाका- तुमने मुझे ही नहीं पूरे देश को अपराधियों का गुलाम बनने से बचा लिया...।

पर तुमने उस दिन सच-सच क्यों नहीं बताया था? जब मैं तुमसे तुम्हारे आफिस में मिलने गया था।

वहां एक रोशनदान पर एक गनमैन बैठा था- अगर मैं सच बताता तो वह मेरे साथ तुम्हें भी... गोलियों से भून देता।

ठीक है अब सावधान रहना... और उन सब अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाना- जो भगवान के नाम को बदनाम कर रहे थे।

समाप्त

Presented by @sdch_club

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkD8puJ1QKrw